

**अनयन वि.** (तत्.) नेत्रहीन, अंध।

**अनयस्की वि.** (तत्.) भूवि. मूल्यवान् खनिजों या अयस्कों से रहित, अयस्कहीन।

**अनरस पुं.** (तद्.) 1. नीरसता, रसहीनता, शुष्कता  
2. कोप, क्रोध 3. अनबन, बुराई, विरोध, मनोमालिन्य  
4. दुःख, खेद **वि.** (तद्.) रसहीन, नीरस।

**अनरसना क्रि. वि.** (तद्.) 1. अनरस होना, उदास होना 2. नाराज होना 3. खिन्न होना।

**अनरसा वि.** (देश.) 1. रसहीन 2. अन्यमनस्क, अनमना 3. रोगी, बीमार।

**अनराता वि.** (देश.) 1. जो रंगा हुआ न हो 2. जो लाल रंग का न हो 3. जो अनुरक्त न हो, जिस में प्रेम, अनुराग उत्पन्न न हुआ हो।

**अनरितु स्त्री.** (देश.) नियमित ऋतु की अपेक्षा अन्य ऋतु (का आभास)।

**अनरीता वि.** (देश.) जो रीता न हो, अरिक्त, भरा हुआ।

**अनरीति स्त्री.** (देश.) 1. अरीति, रीतिविरुद्धता 2. कुरीति, कुप्रथा 3. अनुचित व्यवहार।

**अनरुच वि.** (देश.) जो अच्छा न लगता हो, अरुचिकर, अप्रिय, नापसंद।

**अनरुचि स्त्री.** (देश.) रुचि न हो, अनिच्छा, अरुचि  
2. पेट का मंदाग्नि रोग जिसमें भूख नहीं लगती।

**अनरेख वि.** (तद्.) 1. बिना रेखा का 2. बिना पहचान वाला 3. रूप रहित।

**अनर्गल वि.** (तत्.) (अर्गला अर्थात् अवरोध-रहित)  
1. विचारशून्य, व्यर्थ, अर्थरहित 2. बेधड़क, बेरोकटोक, जिस पर प्रतिबंध न हो 3. अनाप-शनाप।

**अनर्गल प्रलाप पुं.** (तत्.) 1. बेसिर-पैर की बातें करना। बेतुकी बातें कहना।

**अनर्घ वि.** (तत्.) 1. जिसका मूल्य न हो, अमूल्य  
2. बहुमूल्य, कीमती 3. जो उचित या नियत भाव से कम या अधिक हो (महार्घता-महंगा)।

**अनर्जक वि.** (तत्.) 1. प्रशा. (व्यक्ति) जो कमाता न हो 2. वह धन जिससे कोई कमाई न हो 3. (वह अवधि) जिसमें ब्याज, लाभांश आदि की कोई कमाई न हो।

**अनर्जक आश्रित वि.** (तत्.) प्रशा. परिवार का वह सदस्य जो स्वयं कुछ नहीं कमाता बल्कि परिवार के अन्य सदस्यों पर निर्भर रहता है।

**अनर्जित वि.** (तत्.) अर्जित न किया हुआ, न कमाया हुआ; अप्राप्त।

**अनर्जित छुट्टी स्त्री.** (तत्.) प्रशा. छुट्टी जो अर्जित न होने के कारण देय न हो किंतु भविष्य में समायोजन की दृष्टि से दे दी जाती है तु. अर्जित अवकाश।

**अनर्थ पुं.** (तत्.) निरर्थकता, कार्य-हानि, अनिष्ट, उपद्रव।

**अनर्थक पुं.** (तत्.) 1. जो अर्थकर या लाभदायक न हो 2. अर्थहीन, निरर्थक 3. बेकार काम करनेवाला।

**अनर्थकर वि.** (तत्.) 1. अनर्थ, उपद्रव या बहुत अनुचित कर्म करने वाला। 2. बहुत हानिकारक 3. किसी शब्द, वाक्य, बात आदि का अनुचित या विपरीत अर्थ करने वाला 3. अति अनुचित काम करने वाला 5. जिससे धन की प्राप्ति न हो, उद्देश्य पूरा न हो।

**अनर्थकारक वि.** (तत्.) 1. अनर्थ करने वाला, हानिकारक। 2. विपरीत अर्थ करने वाला। 3. जिससे धन की प्राप्ति न हो।

**अनर्थकारी वि.** (तत्.) 1. अनिष्टकारी, हानिकारक 2. उपद्रवी 3. उल्टा अर्थ निकालनेवाला।

**अनर्थदर्शी वि.** (तत्.) 1. अनर्थ अथवा अनिष्ट चाहने वाला, बुराई चाहने वाला 2. हित पर ध्यान न रखनेवाला।